ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-20 जनवरी-II, 2017 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

परमात्म शक्तियों से नारियों द्वारा विश्व परिवर्तन

- त्रिदिवसीय महिला राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन शांतिवन परिसर में
- भारत तथा नेपाल से छः हज़ार महिलाओं ने लिया भाग

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के शांतिवन परिसर में 'परमात्म शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन में नारी की भूमिका' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राजयोग शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें भारत तथा नेपाल से छः हज़ार महिलाओं ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका **राजयोगिनी दादी जानकी** ने कहा कि स्वयं को परिवर्तन कर विश्व परिवर्तन करने का बीड़ा उठाना है। सदा माताओं को एकता में बंधकर इस भगीरथ कार्य को बड़े निर्माण भाव से आगे बढ़ाना है।

महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी **ब्र.कु. चक्रधारी** ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में नैतिक मूल्यों का ह्रास हुआ है, वह परिवर्तन का सूचक है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मानव सभ्यता श्रेष्ठ एवं सकारात्मक परिवर्तन की ओर परमात्म शक्ति द्वारा आध्यात्मिक जागृति से बढ़ चुकी है।

राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर,महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि मातृ शक्ति के बिना यह संसार सुखमय संसार बन नहीं सकता। ब्रह्मा बाबा ने कुछ माताओं, बहनों का न्यास बनाकर चौदह वर्ष तक तपस्या द्वारा इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय की नींव रखी।

दादी जानकी तथा दादी हृदयमोहिनी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए अनिता भदेल, डॉ. प्रेरणा शेखावत, ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु. निर्वैर तथा अन्य।

मुख्य अतिथि **अनिता भदेल**,महिला बाल विकास मंत्री,राजस्थान सरकार ने भारतभूमि की मातृवत महिमा और नारी शक्ति की महिमा करते हुए सामाजिक परिवर्तन का इसे आधार बताया।

सिरोही जिले से आईं अति. पुलिस अधीक्षक **डॉ. प्रेरणा शेखावत** ने कहा कि यहाँ महिलाओं को सशक्त किया जाता है, ये बड़ी खुशी की बात है। महिलाओं के अंदर ममता, करुणा, त्याग की भावना सहज होती है। इन मूल्यों के आधार पर ही वे अपने करियर तथा कल्चर का बैलेंस रखती हैं।

राजकोट, गुजरात से आयीं प्रसिद्ध समाज सेवी **डॉ. मधुरिका जडेजा** ने कहा कि आज इस पावन भूमि ने हमें यह एहसास कराया है कि हम स्व परिवर्तन के द्वारा विश्व परिवर्तन कर सकते हैं। उन्होंने भ्रूण हत्या को घृणित कार्य बताया और कहा कि क्या जन्म प्रदान करने वाली माँ को ही जन्म लेने का अधिकार नहीं है!

ब्र.कु. शारदा,राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग ने इस सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज स्वयं परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा विश्व के महापरिवर्तन का कार्य नारी शक्ति को जागृत कर करा रहे हैं। तो हम सब को भी उस परमशक्ति के साथ जुड़कर इस कार्य को अंजाम तक पहुँचाना ही होगा।

ब्र.कु. डॉ. सविता,मुख्यालय संयोजिका,महिला प्रभाग ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं से सभी को अवगत कराया।

मनन चतुर्वेदी,अध्यक्षा,बाल विकास सुरक्षा समिति,राजस्थान सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि आज की भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में आध्यात्मिकता तथा व्यवहारिकता का बैलेंस बनाकर चलने की आवश्यकता है।

जयपुर से आयीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष **सोनम** ने कहा कि यदि महिलाएँ अपने अंदर आध्यात्मिक शक्ति का समावेश करें तो किसी भी परिस्थिति का सामना कर समाज के किसी भी क्षेत्र में ऊँचाइयों को छूने में पीछे नहीं रह सकतीं।

वरिष्ठ राजयोगी **ब्र.कु. करुणा**, अध्यक्ष,मीडिया प्रभाग ने अपने वक्तव्य में वंदे मातरम् के अभिवादन एवं मातृ शक्ति की महिमा की बात की तथा कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एक सौ चालीस देशों में विश्व की एकमात्र महिलाओं द्वारा संचालित संस्था इस बात का परिचायक है।

इस कार्यक्रम में काठमाण्डु नेपाल से आयीं प्रमिला मालाकर, राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू, जयपुर से आयीं ब्र.कु. पूनम, जबलपुर से आयीं नगर निगम अध्यक्षा सुमित्रा बाल्मीक, अजमेर से आये महापौर सांपला, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स की कार्डिएक और एनेस्थीसिया विभाग दिल्ली की विभागाध्यक्षा डॉ. उषा किरन, गुजरात से आये अंतर्राष्ट्रीय मां संस्थान की चेयरमैन मंजिल नानावती, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के.गीता, उदयपुर से आयीं लायन्स क्लब की जिला अध्यक्षा रेनु बंतिया, राजयोगिनी ब्र.कु. उषा, मधु शर्मा,अध्यक्ष महिला मोर्चा भा. ज.पा. आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

आनंदमय जीवन के लिए रहें खुश : ब्र.कु. शिवानी

शहर के आमंत्रित तीन हज़ार से भी ज़्यादा गणमान्य जन हुए शामिल

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. निहा के साथ चम्पकलाल गंगर, संजय भाटिया, अतुल पाटिल तथा अन्य। सभागार में उपस्थित शहर के गणमान्य लोग।

मुम्बई-गामदेवी। 'विज़डम फॉर ब्लिसफुल लाइफ' विषय पर अपने अनुभव युक्त वक्तव्य देते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि जो हम जीवन जी रहे हैं, उसी जीवन में थोड़ा सा सोचने के तौर-तरीके पर ध्यान दें तो हमारा जीवन खुशियों में बीत सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सोच के प्रति जागरुक रहना है, क्योंकि जैसा हम दूसरों के प्रति सोचते हैं वही तो हम पाते हैं। विशेषज्ञा ने कहा कि जीवन में श्रेष्ठ विचारों को अपने कर्मभूमि में आकार देकर अपनी तकदीर को बदल सकते हैं। उन्होंने रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में आने वाली चुनौतियों के मध्य खुश रहने के लिए अपनी स्व-स्थिति को स्थिर रखकर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि हमें दिन का आरंभ अपने आपको सशक्त बनाकर करना है। परिस्थितियाँ हमारे से ज़्यादा शक्तिशाली नहीं, बल्कि हम सोच सोच कर अपने आपको कमज़ोर महसूस करते हैं। स्वयं पर रहम कर स्वयं को ही आशीर्वाद देना है, क्योंकि कई बातें जो हमारी मनोस्थिति को अशांत करती हैं, उन्हें अपने मन का हिस्सा न बनाकर उससे सावधान रहना होगा। इस तरह अपनी मनोस्थिति को खुश और शांत रख सकते हैं।

शुरुआत में क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. निहा ने चम्पकलाल गंगर, संजय भाटिया, चेयरमैन ऑफ मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट तथा अतुल पाटिल,एस.पी.,एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस का फूलों से स्वागत किया। तीन हज़ार लोगों से भरा हुआ 'योगी हॉल' योगमय वातारण के प्रकम्पन से बहुत ही सुकूनभरा और आनंदमयी लग रहा था। ये शांति के प्रकम्पन सभी के दिल को आराम देने वाले थे। तत्पश्चात् चम्पकलाल भाई और संजय भाटिया ने ब्र.कु. शिवानी का पुष्पों और शॉल से स्वागत किया।